राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उत्तराखण्ड
State Council of Educational Research and Training, Uttarakhand
Tapovan Road, Nalapani, Dehradun, Pin - 248001
Phone:0135-2789655 Fax: 0135-2789656, Website: www.scert.uk.gov.in
E-mail: scertuk@gmail.com, scert_ua@reddiffmail.com

सेवा में,

समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी,
उत्तराखण्ड

पत्रांक– SCERT/NEP/Bag Less Days/236-44/2024–25 दिनांक– 24 अप्रैल 2024

विषय– **प्रदेश के उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में दिनांक 27 अप्रैल 2024 को प्रथम बस्ता रहित दिवस के संचालन विषयक।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के पत्रांक SCERT/NEP/Bag Less Days/222–230/2024–25 दिनांक–24.अप्रैल 2024 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसानुसार शैक्षिक सत्र 2024–25 से प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को बस्तारहित दिवस के रूप में मनाये जाने हेतु सुझावात्मक गतिविधियां प्रेषित की गयी हैं। इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2024–25 का प्रथम बस्ता रहित दिवस दिनांक 27 अप्रैल 2024 (अंतिम शनिवार) को आयोजित किया जाएगा।

अतः आप जनपद के उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में दिनांक 27 अप्रैल 2024 को प्रथम बस्ता रहित दिवस की गतिविधियां आयोजित किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करवाने का कष्ट करें। साथ ही विद्यालयों में उक्त दिवस को सम्पादित गतिविधियों की फोटो सहित आख्या जनपद कार्यालय में संकलित करते हुए सॉफ्ट कॉपी में परिषद कार्यालय की ई–मेल (neputtarakhand@gmail.com) पर दिनांक 30 अप्रैल 2024 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

संलग्न– यथोपरि।

भवदीया
(बंदना गर्ब्याल)
निदेशक
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखण्ड

पृ०सं०– SCERT/NEP/Bag Less Days/236-44/2024–25 दिनांक–तद्दिनांक

प्रतिलिपि–निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
4. सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल।
5. अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड को इन आशय से कि वे उक्तांकित निर्देशों को विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से प्रसारित करने की कार्यवाही करेंगे।
6. अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड।
7. समस्त प्राचार्य डायट उत्तराखण्ड।
8. सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी/उप शिक्षा अधिकारी को सम्बन्धित मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उक्त के अनुपालनार्थ प्रेषित।

निदेशक
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखण्ड 24/04/24

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड
State Council of Educational Research and Training, Uttarakhand
Tapovan Road, Nalapani, Dehradun, Pin - 248001
Phone:0135-2789655 Fax: 0135-2789656, Website: www.scert.uk.gov.in
E-mail: scertuk@gmail.com, scert_ua@reddiffmail.com

सेवा में,

1. अपर निदेशक (मा.शि / प्रा.शि),
गढ़वाल मण्डल पौड़ी /
कुमाऊं मण्डल नैनीताल।

2. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी
उत्तराखण्ड।

पत्रांक– SCERT / NEP / Bag Less Days / 222-230 / 2024–25 दिनांक– 24 अप्रैल 2024

विषय– प्रदेश के उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बस्ता रहित दिवसों के संचालन विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, अवगत कराना है कि शासन के संलग्न पत्र संख्या 181549 / XXIV–B–1 / 24 / 31(01) / 2020 दिनांक 11 जनवरी 2024 के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अध्याय–04 'स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षण शास्त्र'' के अनुच्छेद 4.26 तथा सार्थक टास्क संख्या–92 में की गयी अनुशंसा के क्रम में प्रदेश के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रत्येक शैक्षिक सत्र में कुल 10 बस्ता रहित दिवसों के संचालन हेतु श्री राज्यपाल महोदय द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा उक्त पत्र के माध्यम से तत्सम्बन्धी दिशा–निर्देश जारी किये गये हैं।

उक्त के क्रम में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के पत्रांक SCERT / NEP / Bag Less Days / 9906–14 / 2024–25 दिनांक– 13.फरवरी 2024 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा राज्य में 10 बस्ता रहित दिवसों को संचालित किये जाने हेतु निर्देश जारी किये गये हैं। इस क्रम में तत्सम्बन्धी गतिविधियों का विवरण संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है। उक्त गतिविधियां सुझावात्मक हैं, विद्यालय इनके अतिरिक्त स्वयं के स्तर से भी अन्य संगत गतिविधियां संचालित कर सकेंगे।

अतः उक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

संलग्न– यथोपरि।

भवदीया

(बंदना गर्ब्याल)
निदेशक
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखण्ड

पृ०सं०– SCERT / NEP / Bag Less Days / 222-230 / 2024–25 दिनांक–तद्‌दिनांक

प्रतिलिपि–निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
4. सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल।
5. अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड।
6. अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड को इन आशय से कि वे उक्तांकित निर्देशों को विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से प्रसारित करने की कार्यवाही करेंगे।
7. समस्त प्राचार्य डायट उत्तराखण्ड, को इस आशय के साथ प्रेषित कि उक्त कार्यक्रम दिवस को विद्यालयों को शैक्षिक अनुसमर्थन प्रदान करना सुनिश्चित करें।
8. सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी / उप शिक्षा अधिकारी को सम्बन्धित मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उक्त के अनुपालनार्थ प्रेषित।

24/04/24

निदेशक
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखण्ड

उच्च प्राथमिक (कक्षा 06 से 08 तक)

1. जैविक रूप

(क) मृदा प्रबंधन और मिट्टी के प्रारम्भिक कार्य

- परिवेश में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की मिट्टियों के नमूनों का संकलन एवं पहचान।
- विभिन्न प्रकार की मिट्टी में पौधों को उगाना।

(ख) कृषि/बागवानी की विभिन्न पद्धतियां

- क्यारी निर्माण
  - स्थल का चयन
  - स्थल की सफाई
- क्यारी में बीज बोना, पौधा रोपण, सिंचाई और खाद डालना/जैविक कीटनाशकों का प्रयोग।
- वृक्षरोपण के तरीके
- बाड़ बनाना और उसकी कटिंग करना
- जैविक खाद बनाना और प्रक्रिया की जानकारी
- विद्यालयी स्तर पर कृषि मेला आदि।
- विभिन्न प्रकार के बीजों का संकलन करना।

(उक्त समस्त गतिविधियां विद्यालय के सेवित क्षेत्र के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सम्पादित की जाएंगी)

2. मशीन और सामग्री

(क) कागज़ का कार्य – ऑरेगेमी, कबाड़ से जुगाड़, लिफाफे बनाना, पैकेजिंग (गिफ्ट व पार्सल) आदि।
(ख) लकड़ी का कार्य – खिलौना निर्माण, शिक्षण–अधिगम सामग्री निर्माण आदि।
(ग) मिट्टी का कार्य – खिलौने, बर्तन, कुम्हार का कार्य आदि।
(घ) कपड़े का कार्य – कपड़े की रंगाई, छपाई, सिलाई आदि, टाई एण्ड डाई, पुराने कपड़े से दरी, डोरमैट, आदि बनाना।
(ङ.) पेंटिंग का कार्य – चित्रकला, निब पेंटिंग, वाटर कलर पेंटिंग, ऑयल पेंटिंग, एम्बॉस पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, सफेदी/पेंट का कार्य आदि।
(च) स्याही का कार्य – स्याही का प्रयोग करके ठप्पे से कपड़े की छपाई आदि।
(छ) आधुनिक/प्रारम्भिक मशीनों का उपयोग – कम्प्यूटर, फोटोस्टेट, मशीन लैमिनेशन, स्पाइरल बाइंडिंग, हार्ड बाइंडिंग आदि।

3. मानवीय सेवाएं

(क) कुशल संवाद की अभिरूचि और समूहों (Teams) में काम करने की योग्यता

- जागरूकता अभियान
- मानवीय संवाद सम्प्रेषण : वाद विवाद, कहानी, कविता, भाषण प्रतियोगिता, वैज्ञानिक अभिवृत्ति को विकसित करने वाली गतिविधियां आदि।
- प्रसिद्ध वक्ताओं के साथ कार्यक्रम
- सफाई अभियान जैसे सामूहिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग

(ख) स्वास्थ्य देखभाल ओर आतिथ्य के आधार

- परिवेश की स्वच्छता सम्बन्धी जागरूकता

- व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बन्धी गतिविधियां और कैम्प
- विशेषज्ञों द्वारा विद्यालय स्तर पर जागरूकता शिविर आदि।
- विद्यालय के कार्यक्रमों का बच्चों द्वारा संचालन एवं अतिथि सत्कार।
- श्रमदान कार्यक्रम

(ग) बुनियादी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी कौशल

- लाउडस्पीकर, माइक आदि को व्यवस्थित करना।
- कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी जैसे – ई–मेल, गूगल सर्च आदि।
- घर में उपयोग की जाने वाली सामग्री मशीनों की जानकारी यथा कपड़े वाली प्रेस, मिक्सर, पानी की रॉड, सिलाई मशीन, स्पीकर, टी.वी., मोबाइल फोन, मठ्ठा/छांच बनाने की मशीन (मथनी), तेल पिराई मशीन, धान कूटने व गेहूं पीसने की मशीन, पशुओं हेतु चारा काटने की मशीन, आदि।
- कृषि में प्रयोग किये जाने वाले उपकरण यथा– परम्परागत कृषि यंत्र, हल, अनाज हेतु प्रयुक्त–बुआई,कटाई व मंढ़ाई हेतु मशीन आदि।

माध्यमिक (कक्षा 09 से 12 तक)

जैविक रूप

प्रकृति अनुकूल कृषि–

1. स्थानीय पर्यावरण के अनुसार कृषि कार्य करना जैसे मौसम के आधार पर फलों का उत्पादन, सब्जियों तथा अनाजों की खेती करने की जानकारी प्राप्त करना।
2. मौसम और जलवायु पूर्वानुमान की विधियों की जानकारी प्राप्त करना ।
3. स्थानीय जलवायु के अनुसार नवाचारी विधियों और तकनीकियों का प्रयोग करना।
4. स्थानीय अनुकूलता के अनुसार बीजों का चयन करना।
5. स्थानीयता के अनुसार मिट्टी और भूमि प्रबंधन सीखना।
6. मशरूम उत्पादन

प्रकृति संरक्षण/पुनर्स्थापना–

1. पर्यावरण संरक्षण
2. वन संरक्षण
3. भू संरक्षरण
4. जल संरक्षण
5. पर्यावरण को नुकसान पहुंचाये बिना संसाधनों का स्थायी व न्याय संगत उपयोग सीखना।
6. भूमि, जल, वनस्पति और वायु का क्षरण रोकना या नियंत्रित करना।
7. प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों का पारिस्थितिक तंत्र की जैव विविधता सहित संरक्षण और संवर्धन की जानकारी प्राप्त करना।
8. अनुपयोगी/बंजर क्षेत्र की स्थिति और उत्पादकता में सुधार की विधि की जानकारी प्राप्त करना।
9. पर्यावरण और विकास में परस्पर सम्बन्ध की समझ बढ़ाना और सामाजिक जागरूकता अभियान चलाना।
10. व्यक्तिगत और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहन देना सीखना।

नर्सरी/पौधशाला प्रबंधन–

1. क्यारियों का निर्माण व खरपतवार निकालना।
2. जैविक खाद (Compost) के लिए गढ्ढे बनाना एवं खाद तैयार करना।
3. पौध तैयार करना।
4. बीज शैय्या (Seed Bed) तैयार करना, पौध तैयार करना।

5. प्रो–ट्रे में पौध तैयार करना।
6. कलमों का रोपण करना।
7. फल/फूल/सब्जियां आदि की पृथक–पृथक नर्सरी तैयार करना।
8. कृषि मेला आदि।
9. पॉलीहाउस में फल तथा सब्जियों का उत्पादन।
10. फल संरक्षण– अचार, मुरब्बा, जैम, जैली, जूस, शरबत, सॉस आदि।
11. फ्लोरी कल्चर– फूलों की खेती, फूलों की सजावट, बुके व माला आदि तैयार करना।

पशुधन पालन–

1. विभिन्न प्रकार के पशुओं का उपयोग जैसे (दुधारू, कृषि कार्य में प्रयुक्त, व्यावसायिक रूप से उपयोगी, मांस एवं ऊन आदि के लिए उपयोगी) की जानकारी एवं वर्गीकरण करना।
2. स्थानीयता के अनुसार पशु पालन की संभावनाओं की जानकारी।
3. डेरी व्यवसाय– दही, पनीर, घी, मक्खन, क्रीम आदि तैयार करने की जानकारी।

वित्तीय सेवाएं–

1. बैंकिंग प्रणाली की जानकारी प्राप्त करना।
2. विभिन्न प्रकार के कार्ड्स (डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
3. विभिन्न प्रकार के खातों (बचत, चालू, सावधि आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
4. विभिन्न प्रकार के ऋणों (व्यावसायिक ऋण, व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
5. विभिन्न प्रकार के बीमा (सामान्य बीमा, जीवन बीमा, पेंशन बीमा आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
6. कर प्रणाली (आय कर, सेवा कर, विक्रय कर, GST आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
7. विभिन्न प्रकार के चेक और ड्राफ्ट बनाना।
8. पोस्ट ऑफिस से संचालित वित्तीय सेवाओं की जानकारी प्राप्त करना।
9. घर एवं परिवार का सामान्य बजट तैयार करना।

सौन्दर्य और व्यक्तिगत देखभाल उद्योग–

1. मेकअप, हेयर ड्रेसिंग, मैनिक्योर, थ्रेडिंग, वैक्सिंग, ब्लीच, मेंहदी आदि की सामान्य जानकारी प्राप्त करना।
2. विभिन्न प्रकार से सौंदर्य प्रसाधनों एवं उत्पादों की सामान्य जानकारी प्राप्त करना।
3. सौन्दर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल में प्रयोग होने वाले उपकरणों की जानकारी प्राप्त करना।
4. अपशिष्टों का सुरक्षित निस्तारण सीखना।
5. कार्यक्षेत्र में स्वच्छता एवं सुरक्षा (Fire Safety, Electrical Safety, DOs and DONt's of Emergency Situation etc) की जानकारी प्राप्त करना।
6. पारम्परिक रूप से प्रयोग होने वाले सौन्दर्य वर्धक पदार्थों एवं वनस्पतियों (हल्दी, मुल्तानी मिट्टी, अखरोट का छिलका, भीमल, रीठा, ऐलोवेरा आदि) एवं उनको प्रयोग करने की विधियों की जानकारी प्राप्त करना।
7. स्थानीय उपलब्ध उत्पादों से साबुन, तेल, शैम्पू, इत्र, अगरबत्ती आदि तैयार करना।

मशीन और सामग्री–

सिलाई–

1. सिलाई मशीन की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करना।
2. घरों में प्रयुक्त होने वाले लिहाफ/कवर आदि की सिलाई, बटन–काज तैयार करना, बटन लगाने आदि अभ्यास करना।
3. सामान्य कपड़ों को काटना एवं हाथ से होने वाली सिलाई का अभ्यास करना।

बढ़ईगिरी–

1. कुर्सी, चारपाई आदि की बुनाई सीखना।
2. लकड़ी से खिलौने या अन्य सामग्री (पेन्सिल बॉक्स, रैक,गुल्लक, चौकी आदि) बनाना सीखना

3. विभिन्न औजारों या बर्तनों के हत्थे बनाना।
4. काष्ठ कला में प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न उपकरणों की जानकारी प्राप्त करना।

वेल्डिंग और कास्टिंग–

1. वेल्डिंग के प्रकारों (आर्क वेल्डिंग,गैस वेल्डिंग आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
2. वेल्डिंग प्रक्रिया के दौरान उपयोग में आने वाली गैसों (ऑक्सीजन, एसेटिलीन, हाईड्रोजन आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
3. वेल्डिंग रॉड की लम्बाई, गैस वेल्डिंग का तापमान आदि की जानकारी प्राप्त करना।
4. कास्टिंग की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करना।
5. कास्टिंग (ढलाई) का उपयोग, इतिहास आदि की जानकारी प्राप्त करना।
6. कास्टिंग के प्रकारों(केन्द्रापसारक कास्टिंग, डाई कास्टिंग, ग्लास कास्टिंग, मोल्डिंग, रैपिड, स्लिप कास्टिंग आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
7. आवश्यकतानुसार वेल्डिंग एवं कास्टिंग प्रक्रिया के अवलोकन हेतु स्थानीय उपलब्धता के आधार पर भ्रमण कार्यक्रम।
8. स्थानीय औजार तैयार करने में मोल्डिंग (मूर्तियां बनाना व सामान्य प्रयोग हेतु हथियार बनाना आदि) प्रक्रिया के प्रयोग की जानकारी।

मिट्टी के बर्तन–

1. बर्तन बनाने के लिए मिट्टी की पहचान एवं उसे तैयार करने की प्रक्रिया सीखना।
2. दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले मिट्टी के बर्तनों (जैसे–कुल्हड़, घड़ा, सुराही, प्लेट्स आदि) को बनाने की विधि समझना व सीखना।
3. बर्तन बनाने की प्रक्रिया में आकार देना, सुखाना, ग्लेजिंग और सजावट आदि को समझना व सीखना।
4. मिट्टी के बर्तन बनाने की विभिन्न तकनीकियों (जैसे–हाथ निर्माण, पहिया फेंकना/चॉक विधि, स्लिप कास्टिंग विधि, फायरिंग तकनीक आदि) की जानकारी प्राप्त करना।

स्थानीय कला–

1. स्थानीय चित्रकला (जैसे–ऐपण भित्ति चित्र, आदि) की जानकारी प्राप्त करना तथा मुखौटे बनाना सीखना।
2. पारम्परिक आभूषण (गुलबन्द, धागुली, हंसुली, खग्वाली आदि) की जानकारी एवं निर्माण की प्रक्रिया सीखना।
3. बड़ी/मुंगौड़ी/पापड़ आदि तैयार करना।
4. स्थानीय एवं पारम्परिक मिष्ठान व व्यंजन यथा– सिंगोरी, बाल मिठाई, आरसे, घुघुते, रोट, चौंसु, काफली, थिंचवाणी आदि की जानकारी एवं बनाने की विधि सीखना।
5. स्थानीय उपलब्ध उत्पादों की बेकिंग– जैसे मंडुए के बिस्किट, केक, केले/आलू के चिप्स, ब्रेड,, बन आदि तैयार करने की प्रक्रिया।
6. स्थानीय/पारम्परिक परिधान/पहनावे (आंगुड़ी, पिछौड़ा, डांठा, गाती आदि) की जानकारी एवं निर्माण की विधि सीखना।
7. स्थानीय लोकगीत/लोकनृत्य/लोककथा (रामी बौराणी, राजुला मालूशाही, रम्माण, तांदी, झोड़ा–चांचरी,जागर, न्यौली, मांगलगीत, होली गीत आदि) की जानकारी प्राप्त करना व सीखना।
8. स्थानीय पारम्परिक वाद्य यंत्रों/संगीत उपकरणों (जैसे–ढोल, दमाऊ, मशकबीन, हुड़का, रणसिंघा आदि) की जानकारी प्राप्त करना, बनाना सीखना एवं प्रयोग में लाना सीखना।
9. रिंगाल, बांस, भीमल आदि से रस्सी, टोकरी, कपड़े आदि तैयार करना।
10. दन/कालीन/चटाई बनाना।

रोबोटिक्स मशीनिंग–

1. रोबोट एवं रोबोटिक्स की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना।
2. रोबोटिक्स की वैज्ञानिक जनकारी, विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से सम्बन्ध, उद्देश्य एवं सम्भावनाओं की जानकारी प्राप्त करना।

इलैक्ट्रॉनिक उपकरण मरम्मत–

1. घरों या दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों की जानकारी प्राप्त करना।

2. इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों का सामान्य रखरखाव एवं सुरक्षित प्रयोग की जानकारी प्राप्त करना।
3. विभिन्न प्रकार के इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों की विशेषताओं (जैसे स्थायित्व, भार, आकार, क्षमता, ऊर्जारूपत आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
4. विभिन्न इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों की आन्तरिक बनावट, भागों की जानकारी तथा सुरक्षित सामान्य मरम्मत सीखना।

मानवीय सेवाएं

स्वास्थ्य देखभाल–

1. सामान्य स्वास्थ्य मानकों (जैसे रक्तचाप, बी.एम.आई., दृष्टि क्षमता, श्रवण क्षमता, ऑक्सीजन लेवल आदि) की जांच।
2. संतुलित आहार (यथा–प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
3. प्राथमिक चिकित्सा तथा सामान्य रोगों के प्रारम्भिक लक्षणों की जानकारी प्राप्त करना।
4. व्यक्तिगत स्वच्छता एवं सुरक्षा की जानकारी।
5. योगाभ्यास।

बिजली का काम–

1. घरों में सामान्य वायरिंग एवं विद्युत परिपथ की जानकारी प्राप्त करना।
2. सामान्य वायरिंग, स्विच, होल्डर आदि की मरम्मत या उनको बदलना सीखना।
3. लघु पथ (Short Circuit) या अतिभारण (over loading) की जानकारी, सावधानी एवं बचाव को सीखना, फ्यूज़ लगाना।
4. विशेष अवसरों पर (शादी समारोह, विद्यालयी कार्यक्रम आदि) लाइटिंग, लाउडस्पीकर कनेक्शन आदि कार्य सीखना।

विक्रय और विपणन–

1. विक्रय और विपणन की प्रक्रिया को समझना।
2. विक्रय लक्ष्य, ग्राहक डेटा विश्लेषण, योजना तैयार करना, समन्वय आदि सीखना।
3. वितरण प्रबन्धन चैनल (जैसे थोक, खुदरा, वितरक, ई–कॉमर्स आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
4. उत्पाद संयोजन, भण्डारण, भुगतान प्रवाह, उत्पाद की गुणवत्ता के मानकों की जानकारी प्राप्त करना।
5. मांग एवं आपूर्ति, मांग एवं मूल्य तथा आपूर्ति श्रृंखला में परस्पर सम्बन्धों की जानकारी प्राप्त करना।

आतिथ्य और पर्यटन–

1. आतिथ्य और पर्यटन के क्षेत्र में विभिन्न रोज़गारपरक क्षेत्रों (जैसे–गाइड, टैक्सी संचालन, भोजनालय, आदि) की जानकारी तथा कार्यों की जानकारी।
2. विभिन्न प्रकार के गाईड (जैसे हेरिटेज टूर गाइड, नेचर गाइड, धार्मिक गाइड आदि) की जानकारी तथा ज्ञान के क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करना।
3. विभिन्न प्रकार के पर्यटन (जैसे वाइल्ड टूरिज़्म, साहसी टूरिज़्म, धार्मिक टूरिज़्म आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
4. पर्यटन उद्यम (टूर एण्ड ट्रैवल्स सेवाएं, परिवहन सेवाएं आदि), सरकारी तंत्र (विनियमन, ढांचागत निवेश, लाइसेंस प्रक्रिया, ऋण प्रक्रिया, पर्यवेक्षण आदि) तथा संघों(परिवहन एवं व्यापार आदि से सम्बन्धित) की गहन जानकारी प्राप्त करना।
5. गेस्ट हाउस केयर टेकर, सर्वर और क्लीनर, शेफ आदि के कार्यों एवं प्रशिक्षण आदि की जानकारी प्राप्त करना।
6. आतिथ्य/अतिथि सत्कार हेतु विभिन्न भाषाओं का ज्ञान एवं शिष्टाचार आदि की सामान्य जानकारी लेना।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी कौशल–

1. हार्डवेयर प्रौद्योगिकी, दूरसंचार एवं नेटवर्क प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन आदि की जानकारी प्राप्त करना।

2. सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों (रेलवे, बैंकिंग, न्यायालय, इन्जीनियरिंग, कृषि, परीक्षा प्रणाली, परिवहन, आयकर आदि) की जानकारी प्राप्त करना।
3. महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आई.टी. कम्पनियों (जैसे–इन्फोसिस, विप्रो, टेक महिन्द्रा, इंटेल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ऑरेकल, याहू, आदि) की सामान्य जानकारी ।

प्रतिभा दिवस

(सुझावात्मक गतिविधि पुस्तिका)

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की पहल

अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण, निदेशालय, उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, देहरादून।

E-mail.: dirart.edu@gmail.com

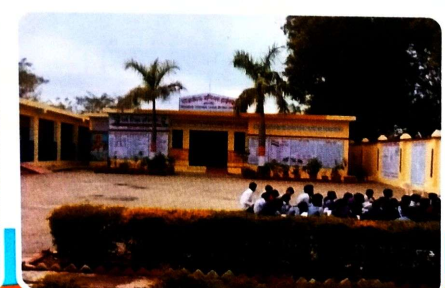

प्रतिभा दिवस आयोजन दिशा-निर्देश

- अप्रैल–जुलाई एवं अक्टूबर–जनवरी माह में माता सम्मेलन बुलाया जाए।
- प्रत्येक गतिविधि में शिक्षक भी सम्मिलित रहेंगे।
- प्रत्येक गतिविधि पहले सम्पूर्ण कक्षा के साथ फिर समूह में व तत्पश्चात् एकल कराई जाएगी।
- वैयक्तिक जानकारी के लिए शिक्षक हर बच्चे के साथ एकल कार्य करेंगे।
- कक्षा–1 व कक्षा–2 में खेल शिक्षक के निर्देशन में कराये जायेंगे। शैक्षिक गतिविधियों का दोहराव भी किया जाए।
- गतिविधियों के पश्चात् बच्चों को अभिप्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रकार की तालियाँ / स्काउट गाइड की तालियां बजायी जायेंगी।
- गतिविधि करवाने से पूर्व तैयारी करें तथा प्रत्येक बच्चे की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- सत्र प्रारम्भ होने पर प्रत्येक शनिवार को बाल समितियों / बाल सरकार का गठन करवाएँ।
- ये समितियाँ यथा–स्वच्छता, अनुशासन, कूड़ा निस्तारण, पुस्तकालय, बागवानी, खेल–कूद, सम्पादन मण्डल आदि होंगी।
- माह में पड़ने वाले पर्व / त्यौहारों की जानकारी देते हुए विद्यालय स्तर पर पर्व का आयोजन कराएँ।
- कैलेन्डर में दी गई गतिविधियों में प्रत्येक जनपद से दो छात्रों का चयन कर 14 नवम्बर को पुरस्कृत किया जायेगा। इस हेतु विद्यालय, संकुल, ब्लॉक, जनपद स्तर पर छात्रों का चयन करके अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह तक निदेशक, अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण को प्रेषित किया जायेगा।
- शीतकालीन अवकाश वाले विद्यालयों में माह जून में और ग्रीष्मकालीन अवकाश वाले विद्यालयों में ये गतिविधियाँ जनवरी माह में की जायेंगी।
- माह फरवरी में विद्यालयों का वार्षिकोत्सव आयोजित किया जायेगा। जिसमें वर्ष भर की गतिविधियों की झलक दिखायी देगी।

प्रतिभा दिवस को प्रभावशाली बनाने हेतु विद्यालयों में चार बार निम्नवत् मातृ सम्मेलन आयोजित किया जाय मातृ सम्मेलन मे निम्नलिखित क्रियाकलाप कराये जा सकते है।

प्रथम–मातृ सम्मेलन– यह सम्मेलन अप्रैल माह में करवाया जाना है। छात्र–छात्राओं की स्वच्छता सत्र की गुणवत्तापरक शिक्षा की तैयारी, मिशन कोशिश की प्रगति तथा छात्र–छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा गायन, नृत्य, कला अभिव्यक्ति पर चर्चा।

द्वितीय मातृ सम्मेलन– यह सम्मेलन माह जुलाई में आयोजित किया जाना है जिसके गृह कार्य पर चर्चा छात्रों की स्वच्छता, पाठ्यपुस्तक वितरण, कारुवृत्ति तथा संज्ञान सहगामी पक्ष के विकास पर चर्चा की जायेगी प्रतिभा दिवस के संकाय संचालन में भाशाओं के सहयोग पर विचार विमर्श किया जाना अपेक्षित है।

तृतीय मातृ सम्मेलन– यह सम्मेलन माह अक्टूबर में आयोजित किया गया है, मासिक परिक्षाओं में छात्रों की प्रगति की चर्चा इस दिवस पर की जानी अपेक्षित है। छात्र–छात्राओं के लेख, कला, संगीत तथा भाषाई कौशल के विकास पर चर्चा की जानी चाहिए, छात्रों द्वारा तैयार कलात्मक तथा रचनात्मक माडल की प्रदर्शनी इस अवसर पर लगाई जाय।

चतुर्थ मातृ सम्मेलन– यह सम्मेलन जनवरी माह में करवाया जाना है। वर्ष भर में आयोजित प्रतिभा दिवस की गतिविधियों पर चर्चा छात्रों की प्रगति, प्रदर्शन आदि की चर्चा की जायें।

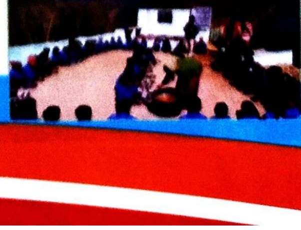

प्राक्कथन

शिक्षा एक ऐसा साधन है जिसके माध्यम से समाज के लिये योग्य नागरिकों का निर्माण किया जाता है। शिक्षा प्रदान करने औपचारिक साधनों में विद्यालयों का प्रमुख स्थान है अतः विभिन्न प्रकार के विद्यालयों की स्थापना सभी जगह की गई है। विद्यालयों में विषय आधारित, तकनीकी, कौशल विकास, मूल्यों से संबंधित शिक्षा बालक बालिकाओं को प्रदान की जाती है, जिससे शिक्षकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

विद्यालयों में प्रतिदिन परम्परागत रुप से अलग–अलग वादनों में अलग–अलग विषयों का शिक्षण किया जाता है। जिसके द्वारा संज्ञानात्मक पक्ष के विकास पर अधिक बल दिया जाता है जबकि संज्ञान सहगामी पक्ष के विकास के अवसर छात्रों को कम प्रदान किये जाते हैं, प्रत्येक बालक–बालिकाओं में कुछ विशिष्ट गुण एवं विशेषताऐं होती है, शिक्षकों का कर्तव्य होता है कि वे बालक–बालिकाओं में अन्तर्निहित क्षमताओं को पहचाने तथा उनके विकास हेतु पाठन पठन के साथ उचित अवसर प्रदान कर सकें।

छात्र छात्राओं के संज्ञान सहभागी तथा बहुमुखी प्रतिभा के विकास हेतु विद्यालयी शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड के द्वारा माह के अन्तिम शनिवार को प्रतिभा दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के छात्र छात्राएं परम्परागत वादनों तथा विषय आधारित शिक्षण के स्थान पर, खेल, संगीत, वाद–विवाद, वार्तालाप, कला कार्य, भ्रमण, स्वच्छता लेखन कार्य द्वारा अपनी रुचि के अनुसार क्रियाकलाप करेंगे। जिससे उनके संज्ञान सहगामी क्रियाकलापों का विकास होगा।

प्रस्तुत पुस्तिका के कुछ सुझावात्मक गतिविधियों संकलित की गई। शिक्षक स्वयं के द्वारा विकसित संकलित तथा इन सुझावात्मक गतिविधियों के माध्यम से खेल, कला, गणितीय, भाषाई तथा वैज्ञानिक क्षमताओं के विकास हेतु क्रियाकलाप आयोजित कर सकते हैं।

प्रस्तुत पुस्तिका में प्रस्तावित गतिविधियों में एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा विकसित लर्निंग ऑउटकम्स (सीखने के प्रतिफल) पर आधारित है अतः अपेक्षा है कि प्रतिभा दिवस की गतिविधियां छात्रों के संज्ञान तथा संज्ञानात्मक विकास में सहायक होगी।

सीमा जौनसारी
निदेशक
अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखण्ड देहरादून।

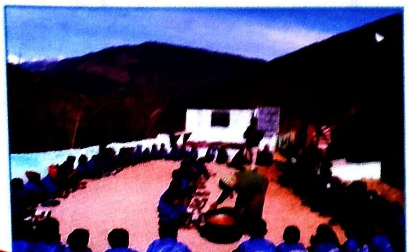

माह–अप्रैल

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	विद्यालय में माताओं का सम्मेलन करना तथा बच्चों के साथ परिचय आदि करना। यह जानने का प्रयास करना कि बच्चा अंग्रेजी भाषा की कितनी शब्द सामर्थ्य के साथ विद्यालय पहुँचा है।	माता सम्मेलन के माध्यम से छात्र–छात्राओं के मध्य हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में वार्तालाप परिचय तथा ग्रामीण परिवेश के बारे में छात्रों से सुनना, स्थानीय मेले पर कक्षा के स्तर के अनुसार वार्तालाप कार्य	माता सम्मेलन में कविता, कहानी तथा अन्त्याक्षरी प्रतियोगिताओं का आयोजन, ग्रामीण परिवेश के बारे में बच्चों से सुनना स्थानीय ग्रामीण जन जीवन पर निबंध लेखन का कार्य
गणितीय	कुछ छोटे–छोटे पत्थरों, बीजों अनाज के दानों तथा गोलियों को एकत्र करना तथा उन्हें छोटे से बड़े स्वरूप में लगाना। मुट्ठी में गोलियों की संख्या का अनुमान लगाना, 4, 6, 8 व 3, 5, 7 आदि के समूह बनाना।	रस्सी तथा फीते की सहायता से इंच सेंटी मीटर, मीटर की जानकारी, विद्यालय के बरामदे तथा बाउन्ड्रीवॉल आदि की नाप करवाना विभिन्न वस्तुओं की नाप का अनुमान लगाना।	विभिन्न प्रकार की ज्यामितीय आकृति की वस्तुओं का संग्रह, घर विद्यालय में त्रिभुजाकार, गोलाकार, बेलनाकार आदि वस्तुओं की सूची बनाना। उनके समतल व वक्रतल गिनना। 1–12 तक की संख्याओं के वर्ग
वैज्ञानिक अभिरूचि	विभिन्न प्रकार की फसलों तथा अनाजों के रंग बताना, गर्मी, सर्दी आदि में गांव मोहल्ले तथा घर में होने वाली घटनाओं पर बातचीत करना। पक्षियों व पालतू जानवरों की आवाजों के बारे में बातचीत करना।	मिर्च, टमाटर तथा अन्य प्राकृतिक अनाजों, सब्जियों के रंग परिवर्तन पर चर्चा करना।	गर्मी, वर्षा, बाढ़ आदि पर चर्चा करवाना तथा उक्त के द्वारा परिवेश के होने वाले परिवर्तन पर समूह में चर्चा करवाना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	विद्यालय में सांस्कृतिक क्रियाकलाप का अयोजन बच्चों के साथ गायन तथा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन	कविता पाठ तथा गायन प्रतियोगिता आयोजित करना, स्थानीय गीतों का गायन आदि। सामाजिक रीति रिवाज पर लेखन कार्य	स्थानीय गीतों तथा राष्ट्रीय गीतों का आयोजन करना तथा छात्रों के मध्य प्रतियोगिता करवाना। राष्ट्रीय गीतों का संकलन करवाना
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	विभिन्न प्रकार के रंग जैसे रंगीन चाक, खडिया, चारकोल, पेन्सिल... एकत्र कर छात्रों से रेखा खिंचवाना, विभिन्न प्रकार की रेखाओं द्वारा पैटर्न बनाना, रंगों के माध्यम से कागज पर छापे लगवाना।	• विभिन्न प्रकार के छापे लगाना। • छापों के पैटर्न बनाना। • चित्रों में रंग करना। • विभिन्न प्रकार के चित्र बनाना।	• आलेखन बनाना • चित्र बनाना / पोस्टर बनाना • विभिन्न प्रकार के छापों से पैटर्न तैयार करना। स्टैन्सिल
खेल	कमर पर हाथ रखकर उछलना, जमीन छूना, सिर के ऊपर हाथ हिलाना, दो प्रकार की ताली बजाने का अभ्यास।	• टीम गेम (लूडो, कैरम, चाइनीज चेकर आदि) • बाहर के खेल– 50 मी. रेस	• दौड़–100 मी. रिले बांधा, रस्सी कूदते हुए दौड़ • स्मृति के खेल

माह–मई

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	हिन्दी भाषा में कविता सुनाना अंग्रेजी में छोटी–छोटी कविता सुनाना कविता को हाव–भाव के साथ सुनाना	• शिक्षक छात्रों के मध्य एक कहानी (हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अलग–अलग) सुनाएंगे तथा बीच में कहानी को छोड़कर छात्रों से कहानी पूरी करने को कहना • (हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अलग–अलग) मौलिक अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना। • स्थानीय कहानियों का लेखन कर संकलन करवाना	• स्थानीय मेले का वर्णन छात्रों से हिन्दी व अंग्रेजी में सुनना। • मेले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बच्चों से सुनना तथा अभिभावकों को आमंत्रित करना। • छात्रों को कहानी लेखन करवाना तथा संकलन करवाना
गणितीय	• छोटे पत्थर, गोलियां एकत्र करना तथा उन्हें डिब्बे में भरना। • गणित क्लब का गठन करना। • छात्रों से गिनती के माध्यम से समूह बनाना, विभिन्न प्रकार की आकृति बनाना	• स्केल के माध्यम से मिमी., सेमी., मीटर आदि की जानकारी करवाना। • गणित क्लब का गठन करना। • श्यामपट्ट तथा मेज की माप करवाना।	छात्रों से स्कूल की दीवार की लम्बाई, चौडाई मोटाई नाप करवाना तथा क्षेत्रफल, आयतन आदि की जानकारी देना। गणित क्लब का गठन करना।
वैज्ञानिक अभिरूचि	छात्रों से वर्षा, का होना आदि के बारे में सुनना तथा इस प्रकार के मौसम में होने वाली कुछ घटनाओं की जानकारी देना व सुनना।	घरों तथा मौहल्ले में होने वाली वैज्ञानिक घटनाएँ जैसे लोहे पर जंग लगना, ऑडियो का चलना, पहिया घूमाना आदि के बारे में वार्तालाप करना।	घर तथा मोहल्लों में होने वाली कुछ वैज्ञानिक परिवर्तनों पर चर्चा। बच्चों से वार्तालाप तथा बच्चों से परिवर्तनों के बारे में सुनना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	मेलों के बारे में बच्चों से सुनना, मेले में मिलने वाली वस्तुओं के बारे में जानकारी करना। मेले की प्रमुख घटनाओं का लेखन करवाना	बच्चों से देश भक्ति गान करवाना, स्थानीय भाषा में देशभक्ति गीतों का संकलन करवाना। स्थानीय मेले की प्रमुख घटनाओं का लेखन करवाना।	विभिन्न प्रकार के देशभक्ति गीतों का संकलन व गायन। किसी स्थानीय त्योहार पर निबंध लिखना
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	धागे को रंग या स्याही में भिगोकर कागज पर विभिन्न प्रकार के चित्र धागे की सहायता से बनवाना तथा चित्रों की प्रदर्शनी लगाना।	बच्चों से मिट्टी का कार्य करवाना विभिन्न प्रकार के मिट्टी के वर्तन, फल तथा आकृति बनाकर प्रदर्शन करवाना	विद्यालय के गमलों की सजावट करना उन पर रंग करना तथा विभिन्न प्रकार के पैटर्न बनवाना।
खेल	गोल घेरे में खेलगीत–हरा समन्दर, पोशम्पा जैसे गोलघेरा, वर्ग बनाकर उन पर घूमते हुए आकृतियां बनाना।	टीम गेम जैसे रूमाल झपट्टा, गेंद फेंकना, लपकना, बोरा रेस।	कूद– लम्बी कूद, रस्सी कूद। चैतन्यता के खेल।

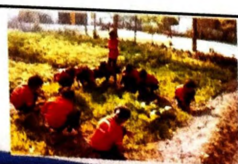

माह–जून/जनवरी

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	• बच्चों के दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले अंग्रेजी भाषा के छोटे–छोटे वाक्य सिखाकर उन्हें सन्दर्भ अनुसार बोलने हेतु प्रेरित करना। • सुनी हुई कविता तथा कहानी पर बच्चों का वार्तालाप कराना। • चिड़ियों से संबंधी कविता कहानी पर वार्तालाप • कविता कहानी पर साथियों से प्रश्न पूछना।	• समाचार पत्र, बाल पत्रिका आदि का पठन तथा उस पर चर्चा करना। • सड़क, मोहल्ले तथा विद्यालय के आस–पास लगे (हिन्दी व अंग्रेजी में) होर्डिंग्स का महत्व पर लेखन • अपने गाँव/मोहल्ले के व्यवसायों के बारे में लेखन करवाना।	रेडियो, टी.वी. आदि की खबर को अपनी भाषा में सुनाना तथा महत्व बताना स्थानीय लोक कथा हिन्दी व अंग्रेजी में सुनाना। गाँव अथवा मोहल्ले में स्थित अस्पताल/पोस्टआफिस के बारे में लेखन कार्या करवाना
गणितीय	एक से बीस गोलियों और पत्थरों को एकत्र कर, उन्हें कम तथा अधिक करना, 2, 3 भागों में बांटना तथा शेष गोली गिनना।	दैनिक जीवन से संबंधित मुद्रा लंबाई, भार, धारिता से संबंधित वार्तालाप, जैसे नोटो तथा सिक्कों की जानकारी, दूध, तेल आदि की माप, कपड़े की माप करना। अनुमान लगवाना	बैंक की पासबुक का प्रारूप तैयार करना। घर, परिवार में व्यापार आदि पर चर्चा लाभ–हानि की जानकारी परिवार के सदस्यों की आमदनी का ब्यौरा बनवाना। निकटवर्ती दुकान से वस्तुओं की मूल्य सूची तैयार करवाना
वैज्ञानिक अभिरूचि	स्थानीय पेड़ पौधों की जानकारी, स्थानीय जीव–जन्तुओं, चिड़ियों के स्वभाव के बारे में प्रश्नोत्तर तथा आपसी वार्तालाप।	विभिन्न प्रकार के पेड़–पौधों के बारे में चर्चा, पौधे, वृक्ष तथा लताओं आदि के गुणों के बारे में वार्तालाप।	भोजन बनाने में प्रयुक्त ईधन, लकडी, रसोई गैस के लाभ आदि पर चर्चा भोजन एकत्र करने वाले तनों व जड़ों के पौधों की सूची बनाना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	• पुस्तक कोना तथा पुस्तकालय आपनी पसंद की पुस्तक तथा पोस्टर चुनना तथा उस पर वार्तालाप करना। • किसी पोस्टर या चित्र पर अपनी अभिव्यक्ति करना।	• विद्यालय स्वच्छता करवाना। • स्वयं की स्वच्छता पर बातचीत। • अपने कक्षा, शयन कक्ष, भोजन कक्ष की स्वच्छता। • संबंधित पर लेखन कार्य करवाना	स्थानीय गलियों तथा मोहल्लों की स्वच्छा पर चर्चा तथा महत्व स्वच्छ भारत अभियान पर निबंध/कविता /गायन आदि। संबंधित लेखन कार्य का संकलन करवाना
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	• ग्रामीण/शहरी स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले क्राफ्ट पर बच्चों से सुनना। • विभिन्न प्रकार की ज्यामितीय त्रिभुज, चर्तुभुज वर्णाकार आकृति बनवाना।	• पुरानी/निष्प्रयोज्य सामग्री से विभिन्न प्रकार की उपयोगी सामग्री तैयार करना • कागज के फूल, मालाएं आदि बनाना तथा उनसे सजावट करना।	विद्यालय में स्थानीय शिल्प, टोकरी, रस्सी या अन्य वस्तु बनाने हेतु स्थानीय व्यक्ति को आमंत्रित करना तथा शिल्प का निर्माण करना।
खेल	देखे हुए पशु–पक्षियों, कामगारों, घर के कामों सफाई स्वच्छता के कार्यों का मूक अभिनय (समूह में, एकल)	• चेतना खेल/जागरूकता–चिड़िया उड़ पहचान कौन? चुप, फल–सब्जी ले लो। • नींबू चम्मच रेस, एक टांग की रेस। • फनगेम, दौड़ कूद व फेंक।	• मनोरंजक दौड़–बोरा रेस, सुई–धागा रेस। • शतरंज, कैरम, अन्य खेल। • नेतृत्व खेल।

माह–जुलाई

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	भाषा संबंधी (हिन्दी व अंग्रेजी में) पोस्टरों का प्रदर्शन तथा पोस्टर में अक्षर तथा शब्द पहचानना तथा पढ़ने की कोशिश करना। पोस्टर पर अपनी भाषा में अभिव्यक्ति करना।	• समूह पाठ अथवा पुस्तक कोने से अपनी पसंद की कहानी हिन्दी व अंग्रेजी में पढ़ना। • कहानी पर हिन्दी व अंग्रेजी में प्रश्न करना। • कहानी संबंधी प्रश्नों के उत्तर, समूह में कहानी पढ़ना। • विद्यालय,गग्रमीण, मोहल्ले की स्वच्छता पर निबंध लिखवाना।	• स्थानीय लोकोक्ति तथा मुहावरे सुनाना तथा हिन्दी व अंग्रेजी में उनका अर्थ बताना। • चिकित्सालय बैठक तथा पोस्ट ऑफिस पर लिखी सूचना का महत्व बताना। • वन महोत्सव अथवा वृक्षारोपण कार्य पर निबंध लेखन करवाना।
गणितीय	छोटी लम्बाई का अनुमान, उंगली भुजा तथा कदमों की माध्यम से आंगन, फर्श क्यारी आदि का माप करना।	विद्यालय के फर्श, दरवाजे आदि पर कोण की जानकारी विभिन्न आकृतियों पर बनने वाले समकोण, न्यूनकोण अधिक कोण की जानकारी देना।	• ग्राफसीट के माध्यम से क्षेत्रफल की जानकारी देना, परिवेशीय वस्तुओं का क्षेत्रफल ज्ञात करना। • घड़ी के माध्यम से समय की जानकारी प्रदान करना।
वैज्ञानिक अभिरूचि	पानी, दूध आदि गर्म, करने पर भाप बनने की जानकारी देना। हैण्डलैंस से माध्यम से छोटे वस्तुओं को देखना तथा अनुभव करना।	बीजों के अंकुरण करवाना तथा अंकुरण की पूर्ण घटना का अभिलेखीकरण करवाना।	दूध का जमकर दही बनना, विभिन्न प्रकार की रासायनिक घटनाओं का विद्यालय में चर्चा/प्रश्नोत्तर। बैज्ञानिकों की जीवनियों का लेखन तथा संकलन करवाना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	स्वयं की स्वच्छता हेतु दिनभर के मुंह हाथ धोने/नहाने आदि की जानकारी भोजन से पूर्व हाथ धोने की जानकारी।	समुदाय में विभिन्न प्रकार के कार्य जैसे–बुनकर, बढई, विक्रेता, पोस्टमैन पर बच्चों से कुछ वाक्य बनवाना। स्वच्छ विद्यालय पर निबंध लिखवाना।	विभिन्न प्रकार के पेशे आदि पर चर्चा करवाना तथा महत्व बताना ततसंबंधी निबंध कविता आदि की प्रतियोगिताएं।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	विभिन्न प्रकार के चित्रों पर पेन्सिल कलर की माध्यम से रंग करना।	विभिन्न प्रकार के चित्रों पर वाटर कलर के माध्यम से रंग भरवाना।	विभिन्न प्रकार की पेंटिंग या पोस्टर बनवाना तथा उनकी प्रदर्शनी लगवाना।
खेल	• जागरूकता खेल–चिड़िया उड़, चलो रूको–बैठों, आदेशानुसार गतिविधि करना। • मैं कौन हूँ। (बदल–बदल कर दो से तीन खेल)	• चेतना खेल–बच्चों बैठो बच्चों उठो (जल्दी–जल्दी दोहराये व क्रम बदलें) पहचान कौन? • चक्का–गोला फेंक, रस्सी कूद।	• चक्का फेंक, गोला फेंक, भाला फेंक, बॉल फेंकना लपकना। • खो–खो व कबड्डी।

माह–अगस्त

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	बस्ता, छाता, शयन कक्ष, विद्यालय जैसे विषयों पर छात्रों से एक–एक कर हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में 10 वाक्य बनाने को कहना।	बस्ता / छाता / विद्यालय / खेल का मैदानआदि विषयों पर छात्रों से हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में अनुच्छेद लिखने को कहना तथा प्रतियोगिता करना।	वाद विवाद प्रतियोगिता करवाना तथा स्वाधीनता दिवस अन्य पर्वों से संबंधी हिन्दी व अंग्रेजी में भाषण सुनना। राष्ट्रीय पर्वो पर निबंध लिखवाना।
गणितीय	उल्टे क्रम में गिनती करना तथा स्किप काउंटिंग करवाना, वस्तुओं को 2, 4, 6 या 1, 3, 5 के समूह में रखना।	श्यामपट्ट तथा मेज की लम्बाई की तुलना करना। विद्यालय में रखी सामग्री की नाप करवाना तथा उसके अभिलेख रखना।	प्रतिदिन होने वाले वर्षा जल का मापन करना एवं आंकडे एकत्र करना। माह जुलाई में परिवार के सदस्यों द्वारा क्रय की गई सामग्री तथा व्यय धनराशि की सूची बनाना तथा व्यय विवरण तैयार करना।
वैज्ञानिक अभिरूचि	विभिन्न प्रकार के रंग, चीनी, नमक आदि को पानी में घोलकर दिखाना तथा घुलने की संकल्पना की जानकारी पर चर्चा करना।	नमक पानी का घोल बनाकर विलयन, विलेय तथा विलायक की संकल्पना का ज्ञान देना।	• पानी में किशमिश आदि के फूलने की जानकारी देना। • जल संरक्षण हेतु वर्षा जल को एकत्र करना। • खाली माचिस आदि से टेलीफोन बनाना मॉडल बनाना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	स्थानीय हस्तकला, पोस्ट आफिस बैंक पंचायत घर का भ्रमण करवाना।	स्थानीय हॉस्पिटल, बैंक पोस्ट ऑफिस पंचायत घर का भ्रमण करवाकर वहां लिखी सूचनाओं / विज्ञापनों की जानकारी देना।	स्थानीय हॉस्पिटल, बैंक पोस्ट आफिस पंचायत घर का भ्रमण करवाकर वहां संचालित दो योजनाओं की जानकारी देना।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	कार्टून पोस्टर पर पेंसिल कलर करना।	विभिन्न प्रकार के जीव–जन्तुओं तथा पेड़ पौधों का चित्र करना तथा रंग भरना।	विज्ञापन तैयार करवाना तथा पोस्टर पर रंग भरवाना।
खेल व क्रीडा	खेल गीत–कोई दो। गेंद फेंकना लपकना। रिंग फेंकना व लपकना। (गेंद या रिंग हल्के वजन की रखी जाए।)	• स्मृति खेल (Kings games) नाम स्थान जानवर–वस्तु का खेल / सूची बनाना आदि • जागरूकता खेल–पीछे मुड़कर ताली बजा • ऊँची कूद और लम्बी कूद।	• मनोरंजक दौड़–बोरा रेस, सुई–धागा रेस। • शतरंज, कैरम, अन्य खेल। • नेतृत्व खेल।

माह–सितम्बर

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	• तुकांत कविता अंग्रेजी तथा हिन्दी में सुनाना। • तुकांत शब्दों (हिन्दी व अंग्रेजी) में उच्चारण • किसी चित्र पर (हिन्दी व अंग्रेजी में) शब्द व वाक्य बनाना।	हिन्दी व अंग्रेजी में लघु कहानी कविता आदि बनाना तथा लिखना। किसी स्थानीय घटना का (हिन्दी व अंग्रेजी में) वर्णन करना। ग्रामीण / स्थानीय समस्या पर वाक्य / अनुच्छेद लिखवाना।	• स्थानीय घटना पर (हिन्दी व अंग्रेजी में) अपनी अभिव्यक्ति करना। • हिन्दी व अंग्रेजी में कविता तथा कहानी मंचन। • लघु नाटक (हिन्दी व अंग्रेजी में) का मंचन। • स्थानीय स्वाधीनता संग्राम सेनानी अथवा अतिथि को विद्यालय में बुलाना तथा उनके द्वारा बताई गई महत्वपूर्ण जानकारी का लेखन करवाना।
गणितीय	विभिन्न बीजों, पत्तियों व संख्याओं के छोटे बडे समूह बनाना, सम तथा विषम संख्याओं की जानकारी खेल–खेल में बताना बडे बच्चों के साथ खेल खेलना।	सम्पर्क फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त किट का उपयोग करना। (स्थानीयमान, ठोस वस्तुओं एवं आंकड़ों का प्रदर्शन करना। कलैण्डर बनाना (माह का)	आंकडों को प्रदर्शित करना तथा उनका विश्लेषण करना। शिक्षकों छात्रों की रिपोर्ट के आकडे देंगे तथा विश्लेषण कराएंगे।
वैज्ञानिक अभिरूचि	साफ एवं स्वच्छ भोजन करने की जानकारी। स्वच्छ कपड़े पहनने की जानकारी।	• घर जल स्रोतों तथा विद्यालय की स्वच्छता की जानकारी। • शौचालय की स्वच्छता • स्कूल के बस्तों की स्वच्छता।	विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जानकारी। बीमारियों से बचाव हेतु उपाय पर परिचर्चा करवाना। रोग प्रतिरोधक क्षमता के बारे में जानकारी देना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	स्थानीय घरेलू वाद्य यंत्रों के नाम बताना तथा अपनी पसंद के वाद्य यंत्र की विशेषता बताना।	स्थानीय वाद्य यंत्र के विशेषज्ञ को विद्यालय में बुलाना। वाद्ययंत्र बजाकर प्रदर्शन करना।	विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र तबला, हारमोनियम, बांसुरी आदि बजाने का अभ्यास करना तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	विभिन्न प्रकार के रंगीन कागजों को मोडकर आकृतियां तैयार करना। रंगीन कागजों को बराबर भागों में काटना। कागजों की आकृतियां बनाना।	लिफाफे बनाना तथा ततसंबंधी अभ्यास। कापी किताबों की जिल्दबंदी करना।	• स्कूल के पुस्तकालय अथवा कार्यालय के अभिलेखों को सुरक्षित व्यवस्थित करने में शिक्षकों का सहयोग। • आलेख बनाना। • आलेखन पर रंग करना।
खेल व क्रीडा	10 मीटर की दौड़, मनोरंजक दौड़–नींबू चम्मच उछलकर लपकने के खेल, बोरा दौड़।	खेल गीत–पोशम्पा, राजा रे राजा (शक्ति व व्यूह रचना के खेल) रस्साकस्सी, 50 मीटर रेस।	दौड़, कूद, फेंक के अभ्यास। रस्साकस्सी।

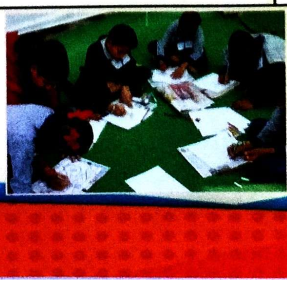

माह–अक्टूबर

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	बच्चों को शिक्षक/शिक्षिकाएं (हिन्दी व अंग्रेजी में) कहानी सुनाएंगे तथा बच्चे अपनी भाषा में पुनः कहानी सुनाएंगे।	• बच्चों से रचनाएं (कविता/कहानी सामान्य ज्ञान) संकलित करवाना। • बाल अखबार तैयार कराना। • भाषण प्रतियोगिता (हिन्दी व अंग्रेजी में) आयोजित करना।	• हिन्दी व अंग्रेजी में समूह चर्चा करवाना (समसामयिक विषय) • अभिनय करवाना। • हिन्दी व अंग्रेजी में रचनाओं का संकलन करवाना। • हिन्दी व अंग्रेजी में कविता की रचना करवाना।
गणितीय	वर्गाकार, आयताकार, गोलाकार, त्रिभुजाकार आकृतियों के बारे में बताना तथा छात्रों से घर विद्यालय तथा घर में इस प्रकार पायी जाने वाली वस्तुओं के बारे में पूछना।	मानसिक गणित तथा गणित संबंधी कुछ रोचक तथ्यों की जानकारी। मौखिक गणित (जोड़–घटाने, भाग, गुणा एवं पहाड़ों पर सरल सवाल)	गणितज्ञों की जीवनी का संकलन करवाना तथा छात्रों के मध्य साझेदारी करवाना।
वैज्ञानिक अभिरूचि	धातु/कांच/मिट्टी से बनी हुई वस्तुओं की जानकारी तथा उपयोग।	गाँव में पायी जाने वाली फसलों की सूची बनवाना। चार्ट पर ग्रामीण फसलों की सूची आरेख बनवाना।	पुष्प के भागों का प्रदर्शन जड़, तना पत्ती तथा फल की छात्रों से उनकी विशेषता लिखने को कहना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	पानी के श्रोतों के बारे में छात्रों से चर्चा करना।	छात्रों से वर्ष भर मनाए जाने वाले त्यौहारों पर चर्चा करवाना तथा त्यौहारों की पृष्ठभूमि में प्रचलित कहानी की जानकारी देना व लेखन करवाना।	जल संरक्षण तथा स्वच्छता पर चर्चा बिना फिल्टर के जल स्वच्छ रखने की विधियां बताना। जल संरक्षण पर निबंध लिखवाना।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	पोस्टर दिखाना तथा पोस्टर पर घोंसला/जानवरों के घर आदि की जानकारी देना।	जानवरों तथा पक्षियों के घरों के चित्र बनाना स्थानीय रेशों के प्रयोग से रस्सी बनाने का प्रयास।	सिलाई तथा इम्ब्राइडरी का अभ्यास करवाना।
खेल व क्रीडा	टीम खेल–लूडो, कैरम, सांप–सीढ़ी, रस्सी कूदना।	• खो–खो, कबड्डी। • ऊँची कूद, रस्सी कूद रेस।	• खो–खो, कबड्डी। • बैडमिंटन, हैण्डबॉल। (उपलब्धता के आधार पर) • पिट्ठू, ऊँच–नींच आदि।

माह–नवम्बर

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	तुकांत वाले शब्दों/वाक्यों का निर्माण करना (पहाड़–दहाड़, But-Cut) मिड डे मील तथा अन्य चार्ट से शब्दों, वाक्यों की पहचान करना।	• छात्रों को हिन्दी व अंग्रेजी में प्रेरक प्रसंग/कहानी पढ़ने को देना तथा संबंधित पर प्रश्न बनाने को कहना। • देशभक्ति संबंधी कविताओं को सुनाना। • किसी चित्र पर लघु अनुच्छेद लिखवाना।	हिन्दी व अंग्रेजी के समाचार पत्र अथवा पत्रिका पढ़ने को देना तथा समसामायिक विशिष्ट घटना पर चर्चा करवाना/प्रश्न करना/अपनी राय व्यक्त करना। समसामयिक घटना पर लेखन कार्य करवाना।
गणितीय	बच्चों को 1–20 तक संख्या लिखने को देना तथा विद्यालय में उपलब्ध टी.एल.एम./संपर्क फाउण्डेशन सामग्री से अंकीय अभ्यास करवाना।	• घड़ी की सहायता से मिनटों को घंटे में परिवर्तित करना। • विद्यालय समय को घंटे तथा मिनटों पढ़ना व समय सबंधी मौखिक प्रश्न। • गणित क्विज करवाना।	• गणित क्विज करवाना। • गणित संबंधी प्रतियोगिता करवाना। (माप, तौल, मौखिक गणना आदि संबंधी)
वैज्ञानिक अभिरूचि	ठंडा/गर्म/वर्फ आदि के बारे में छात्रों से प्रश्न पूछना तथा अभिव्यक्ति करवाना।	सूर्यग्रहण तथा चन्द्रग्रहण का बच्चों को गेंद/मॉडल आदि के द्वारा प्रदर्शन।	• वैज्ञानिकों की जीवनियां एकत्र कर उन्हें छात्रों को पढ़ने को देना। • कुछ नवीन अन्वेषणों तथा अन्वेषणकर्ताओं की सूची तैयार करना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	नित्य घर/मध्याहन भोजन के बनने वाले भोजन के अवयवों की जानकारी।	मध्याह्न भोजन योजना के वर्तन की स्वच्छता/खाद्यान्न सुरक्षित रखने की विधि का अवलोकन। विद्यालय में मध्याह्न भोजन तथा इसकी उपयोगिता पर बच्चों से अनुच्छेद लिखवाना।	मध्याह्न भोजन तैयार करने में सहयोग तथा भोजन बनाने की विधि की जानकारी प्रदान करना। सलाद डेकोरेशन करवाना।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	विद्यालय की क्यारियों में पानी डालना।	विद्यालय की क्यारियों को सौन्दर्यीकरण करना।	विद्यालय परिसर की स्वच्छता कक्षों की स्वच्छता कक्षा कक्षों से पुराने व निष्प्रयोज्य चार्ट आदि हटाना।
खेल व क्रीडा	एक फुट तक रस्सी पर ऊँची कूद, 10 मीटर तक दौड़।	• रिंग फेंकना लपकना। • बॉल फेंकना लपकना।	• गणित दौड़। • खो–खो, कबड्डी।

माह–दिसम्बर

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	बच्चों को बोलने के अवसर प्रदान करना। अभिव्यक्ति हेतु बारी–बारी से प्रत्येक छात्र से किसी विषयवस्तु पर वाक्य बोलने के अवसर देना। अंग्रेजी भाषा हेतु विशेष प्रयास करना।	• कहानी (हिन्दी व अंग्रेजी में) बनाने का अभ्यास करवाना। • कविता बनाने का अभ्यास करवाना। • हाव–भाव से कविता (हिन्दी व अंग्रेजी में) सुनाना। • प्रदूषण पर अनुच्छेद लिखवाना।	• हिन्दी व अंग्रेजी में लघु नाटिका का निर्माण। • हिन्दी व अंग्रेजी में लघु कथाओं का निर्माण। • स्थानीय प्रेरक ऐतिहासिक तथ्य का हिन्दी व अंग्रेजी में लेखन। • प्रदूषण पर निबंध लेखन करवाना।
गणितीय	अंकों को बोलने तथा लिखने का अभ्यास कराना। उल्टे क्रम में गिनती का अभ्यास करवाना।	• गणित संबंधी खेल करवाना • विद्यालय में कम्प्यूटर की उपलब्धता पर कम्प्यूटर पर गणितीय सी.डी दिखाना तथा अभ्यास करवाना। • पहाड़ों का अभ्यास।	सामान्य कथनों को बीजगणितीय कथन में परिवर्तन (खेल विधि)
वैज्ञानिक अभिरूचि	पेड़–पौधों तथा घरेलू जीव–जन्तुओं की विशेषता पर अभिव्यक्ति करवाना।	• पत्र पत्रिकाओं से विज्ञान संबंधी कटिंग एकत्र करना। • संबंधित सूचनाओं पर प्रश्न करना।	विज्ञान प्रदर्शनी / विज्ञान गोष्ठी का आयोजन।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	घर में गाए जाने वाले गाने को छात्रों से सुनना। गायन का अभ्यास करवाना।	• त्यौहारों के अवसर पर होने वाले क्रिया कलापों के बारे में आपसी विचार विमर्श करवाना। • राष्ट्रीय पर्व मनाने के दौरान किए जाने वाले क्रियाकलाप पर चर्चा।	स्थानीय मेले आदि की ऐतिहासिकता पर लेखन कार्य स्थानीय खेती पर निबंध लेखन
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	बड़े बच्चों द्वारा तैयार किए गए मिट्टी /क्राफ्ट कार्य का अवलोकन तथा चित्र बनवाना।	पॉलीथीन / पुराने कपड़े स्थानीय रेशों के उपयोग कर उपयोगी सामग्री बनाना।	स्थानीय शिल्प संबंधी विशेषज्ञ को बुलाकर शिल्प निर्माण की जानकारी प्राप्त करना।
खेल व क्रीडा	गोल घेरे में टेढ़ी–मेड़ी रस्सी पर अन्य तरह की खींची गई आकृतियों की लाइन पर चलना व दौड़ना।	• जागरुकता गेम। • दौड़ व कूद।	• मनोरंजक दौड़। • बॉलीबाल। • चैतन्यता, जागरुकता खेल।

माह–फरवरी

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	दो हिन्दी तथा दो अंग्रेजी की लघु कविताएं सुनाना।	• स्वयं के द्वारा निर्मित कविता को पढ़कर सुनाना। • हिन्दी व अंग्रेजी में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तर • विभिन्न प्रकार के खेल के नियमों / खिलाडियों के जीवन पर लेखन करवाना।	• कहानी, कविता हिन्दी व अंग्रेजी में पर प्रतियोगिता का आयोजन • मूक अभिनय करवाना। • अपने साथियों की बनाई कविता पाठ करना। • राष्ट्रीय अथवा अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडियों के बारे में लेखन कार्य करवाना।
गणितीय	• 5 से 10 अथवा 20 मोतियों की माला बनाना। • माला में कितने मोती लगे। • कितनी मालाएं बनी।	• मौखिक गणितीय अभ्यास। • छात्रों के समूह बनाकर गणित का जोड़, घटाना, गुणा, भाग पर अभ्यास।	• साथियों के साथ विभिन्न प्रकार के गणित संबंधी प्रश्नों का अभ्यास। • ब्याज की गणना करना। • बैंक की पासबुक का प्रारूप बनवाकर पासबुक में एन्ट्री करवाना व ब्याज की (वार्षिक) गणना।
वैज्ञानिक अभिरूचि	छात्रों की दैनिक दिनचर्या पर चर्चा करना तथा एक–दूसरे से दिनभर किए जाने वाले कार्य पर वार्तालाप करवाना।	• स्वच्छता पर लेख लिखवाना पानी की स्वच्छता, प्रदूषण आदि पर लेख वाद–विवाद भाषण प्रतियोगिता।	• पर्यावरणीय प्रदूषण पर निबंध / वाद विवाद, नाटक करवाना। • जल श्रोतों की संरक्षण के उपाय पर गोष्ठी।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	ताला चाबी खोलना / डिब्बे खोलना मध्याह्न भोजन के ग्रेन बॉक्स आदि को खोलना बन्द करना।	• घरेलू कूड़ा करकट का निस्तारण करवाना। • स्वच्छ भारत पर निबंध / भाषण लिखवाना।	• गाँव / मोहल्ले में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत कृत कार्य पर आलेख लिखवाना। • स्वच्छ भारत अभियान पर भाषण प्रतियोगिता।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	पेंसिल कलर से कलर करवाना।	रंगीन चित्र बनाकर तथा रंग करने की प्रतियोगिता आयोजित करवाना।	यथा संभव पेंट करने का अभ्यास / विद्यालय परिसर में ब्रस से गेरू आदि रंगों का अभ्यास।

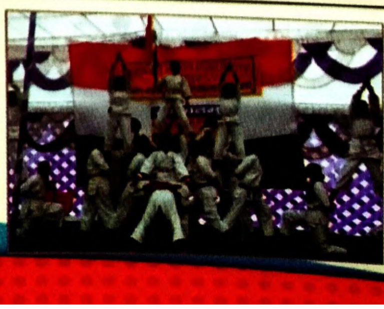

माह–मार्च

	कक्षा 1–2	कक्षा 3–5	कक्षा 6–8
भाषाई	घर पर भोजन में बनने वाली पाँच– पाँच मीठी, नमकीन, तीखी खाद्य पदार्थों के नाम एक–एक कर पूछना व उनके अंग्रेजी नामों (यदि कोई हों) का अभ्यास कराना, किस अनाज आदि से बनाते हैं के बारे में बताना। उन अनाजों के अंग्रेजी नाम बताना।	• अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करवाना। • कुछ दैनिक कार्यों को अंग्रेजी में बोलना। • विद्यालय के क्रियाकलापों को अंग्रेजी में बोलना सिखाना। • छात्रों को कोई विषयगत अध्याय प्रदान कर उस पर प्रश्न तैयार करने के कौशल का विकास करना।	• अंग्रेजी में वार्तालाप • डिक्सनरी का प्रयोग • अंग्रेजी में छोटी चार लाईन की कविता बनाने का अभ्यास • अंगेजी में स्थानीय त्योहार पर लेखन कार्य करवाना।
गणितीय	पत्तियों, बीजों तथा कंकड़ों के द्वारा विभिन्न प्रकार के पैटर्न बनाना, निर्मित टी.एल.एम. के द्वारा पैटर्न बनाना। निष्प्रयोज्य अथवा पुराने कार्डों का उपयोग फ्लैश कार्ड (गणित) बनवाना।	• विद्यालय के प्रांगण की लम्बाई चौडाई नापना, क्षेत्रफल ज्ञात करना। • अनुमान लगाना, रेस हेतु विद्यालय प्रांगण की दूरी आंकलित करना।	विद्यालय प्रांगण पर रेस हेतु ट्रैक बनाना। X*Y*Z लम्बाई चौडाई तथा ऊचाई तथा ऊचाई वाली दीवार के लिए X*Y*Z ल.चौ.ऊ. की ईटों की आवश्यकता का अनुमान करना।
वैज्ञानिक अभिरूचि	बाल्टी, डिब्बे आदि से पतले पाइप द्वारा पानी खीचने का प्रदर्शन पिचकारी, सिरिंज के द्वारा दाब का प्रदर्शन।	• गुब्बारों में हवा भरकर वायु में भार का प्रदर्शन। • हैडलेंस द्वारा सूक्ष्मजीवों का प्रदर्शन। • सरल मशीनों के महत्व पर चर्चा प्रदत्त कर जानकारी का छात्रों को लिखवाकर अभिलेख बनाने को देना।	प्रदेश स्तरीय विज्ञान संबंधी संस्थान के बारे में छात्रों को जानकारी देना।
सामाजिक तथा सांस्कृतिक अभिरूचि	दूध देने वाले दो जानवरों के नाम पूछना बोझा ढोने वाले जानवरों के नाम पूछना गांव/मोहल्ले के आवागमन के साधनों के बारे में बच्चों से वार्तालाप करना।	गांव तथा मोहल्ले की समस्याओं पर छात्रों से विचार विमर्श करवाना लोकगीतों का गायन। मोबाइल/टेलीविजन तथा अन्य संचार के साधनों पर अनुच्छेद लिखवाना।	लोकगीत गायन/क्षेत्रीय भाषाओं के गीतों का गायन, तबला, ढोलक, चिमटा, वांसुरी आदि बजाने का अभ्यास। ग्रामीण/क्षेत्रीय आपदा/बनाग्नि आदि विषयों पर निबंध लिखवाना।
कला क्राफ्ट व श्रम के कार्य	अपनी पुस्तक पर जिल्द लगाने हेतु छात्रों को कहना तथा उन्हें जिल्द लगाना सिखाना।	• विभिन्न प्रकार के लिफाफे बनाना। • बुनाई का अभ्यास करवाना। • टांके, बटन आदि लगाना।	• बुक बाइंडिंग का अभ्यास • बुनाई का अभ्यास • स्थानीय फलों आदि के अचार बनाने की जानकारी।

DOUBT CLEARING DAY
(An Innovative Activity)

विद्यालय में प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में Doubt clearing Day मनाया जायेगा।

गतिविधियां-

- इस दिन प्रत्येक विषय में सप्ताह के 05 दिनों में पढ़ाये गये सन्दर्भों पर छात्र–छात्राओंकी जिज्ञासाओं/पृच्छाओं का अध्यापक द्वारा समाधान किया जाए।
- इस हेतु सभी अध्यापक सप्ताहभर में किये जा रहे शिक्षण कार्य के दौरान छात्र–छात्राओं से संवाद करते हुए ऐसे सन्दर्भों को चिन्हित करें जिन्हें समझने में छात्रों को कठिनाई महसूस हो रही हो। इसके साथ ही सम्बन्धित वादन में शिक्षक छात्रों से पढाऐ गये संदर्भो पर छात्रों की पृच्छाओं को पूछकर अध्यापक द्वारा समाधान किया जायेगा।
- विषय शिक्षक को भी यदि किसी सन्दर्भ के प्रसंग विशेष में कोई जिज्ञासा अथवा अपने शिक्षण के दौरान कोई समस्या आती हो तो शिक्षक अपने सहकर्मी शिक्षकों के साथ इनका निराकरण करें।
- विद्यालय में जिज्ञासाओं का समाधान न हो पाये तो विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य निदेशालय, माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा द्वारा नामित एकेडमिक एक्सपर्ट को सूचित करें।
- एकेडमिक एक्सपर्ट अपने सेवित क्षेत्र में उपलब्ध विषय विशेषज्ञों की सहायता से समाधान उपलब्ध कराने का प्रयास करें।
- यदि विद्यालय स्तर पर डाउट स्पष्ट नहीं हो रहा हो तो एकेडमिक एक्सपर्ट अथवा डायट से सहायता प्राप्त करें।
- कक्षा शिक्षण के दौरान आयी जिज्ञासाओं तथा उन पर प्राप्त/दिये गये समाधानों को शिक्षक अपनी शिक्षक डायरी में अंकित करें।

ENGLISH SPEAKING DAY

विद्यालय में प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में **English Speaking Day** मनाया जाये।

गतिविधियां-

- सभी छात्र–छात्रायें विद्यालय में सामान्य बोलचाल में अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग करें।
- सभी शिक्षक एवं शिक्षिकायें भी छात्र–छात्राओं से अंग्रेजी में ही वार्तालाप करें।
- प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान को छोड़कर अन्य सभी क्रियाकलाप यथा– प्रार्थना, समूह गान, प्रतिज्ञा, समाचार वाचन, नीति वचन आदि संवाद अंग्रेजी में करवाएं।
- प्रत्येक कक्षा से कम से कम एक विद्यार्थी से प्रार्थना सभा में कविता, कहानी अथवा अन्य कोई प्रसंग अंग्रेजी भाषा में सुनाया जाए।
- जहां तक सम्भव व उचित हो कक्षा शिक्षण के दौरान छात्रों से संवाद अंग्रेजी में ही करें।
- प्रत्येक कक्षा को कम से कम एक पृष्ठ का अंग्रेजी भाषा में लेखन कार्य करवाएं।
- अंग्रेजी समाचार पत्रों/बाल पत्रिकाओं का कक्षा में सस्वर वाचन करवाएं।
- छात्रों द्वारा अंग्रेजी के शब्दों का चार्ट तैयार करवाया जाय व इस चार्ट में प्रत्येक English Speaking Day के दिन कम से कम 05 नवीन शब्दों को जोड़ा जाए। प्रत्येक कक्षा में एक अंग्रेजी शब्द कोष तैयार किया जाए।

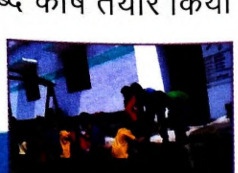

बाल संसदः वार्षिक कैलेण्डर एवं माह 2019-20 हेतु प्रस्तावित तिथियाँ (एजेण्डा)

प्रस्तावित तिथियाँ

• माह जनवरी 2019	विद्यालय स्तर – 16 फरवरी, 2019 संकुल स्तर – 23 फरवरी, 2019
• माह फरवरी 2019	विद्यालय स्तर – 16 फरवरी, 2019 संकुल स्तर – 23 फरवरी, 2019
• माह मार्च 2019	विद्यालय स्तर – 9 मार्च, 2019 संकुल स्तर – 16 मार्च, 2019

वार्षिक कैलेण्डर

क्र0सं0	माह	एजेण्डा
1	अप्रैल	स्वच्छता, –घर, विद्यालय, गाँव, मोहल्ला, गलियों की स्वच्छता।
2	मई	आपदा– बाढ़, बादल फटना, नदियों का जल स्तर अचानक बढ़ना, एवं आपदा से बचाव।
3	जुलाई	पर्यावरण संरक्षण में वृक्षारोपण का महत्व, स्थानीय परिवेश में उगने/रोपित किये जा सकने वाले वृक्ष एवं उनकी प्रजातियाँ
4	अगस्त	रोग एवं स्वास्थ्य तथा निरोगी रहने के उपाय
5	सितम्बर	जीवन कौशल–स्थानीय व्यवसाय जैसे रिंगाल, बांस, भीमल, लेंटाना से टोकरी, चटाई, रस्सी, फर्नीचर एवं पिरूल का उपयोग आदि।
6	अक्टूबर	नशा एवं अन्य सामाजिक बुराईयां, अभिशाप एवं बचाव।
7	नवम्बर	पर्यावरणीय जागरूकता–वनों का संरक्षण, ग्राम वनों का संरक्षण एवं उपयोग
8	दिसम्बर	भूकम्प के कारण एवं उससे बचाव।
9	जनवरी	Good touch, Bad touch & Sexual harassment
10	फरवरी	सड़क सुरक्षा,
11	मार्च	Child trafficking

19 जनवरी, 16 फरवरी एवं 09 मार्च, 2019 को प्रत्येक जूनियर हाई स्कूल में बाल संसद का आयोजन किया जायेगा। 25 जनवरी, 23 फरवरी एवं 16 मार्च, 2019 को सी0आर0सी0 के प्रत्येक जूनियर हाई स्कूल से चयनित बच्चों की सी0आर0सी0 में बाल संसद आयोजित की जायेगी। 26 जनवरी, 2019 को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को पुरस्कृत किया जायेगा।

वर्ष 2019–20 में माह के तृतीय शनिवार को विद्यालय में बाल संसद आयोजित की जायेगी। संकुल स्तर पर बाल संसद माह के अन्तिम शनिवार को जो प्रतिभा दिवस के रूप में विद्यालयों में मनाया जाता है, सी0आर0सी0 के निकटस्थ जूनियर हाई स्कूल/हाई स्कूल/इण्टर कॉलेज में संचालित किया जायेगा। विद्यालयों एवं संकुल में आयोजित बाल संसद का अभिलेखीकरण भी किया जाए। इनमें से सर्वोत्तम रिपोर्ट का विकासखण्ड में, जनपद में एवं राज्य स्तर पर इसका प्रचार–प्रसार किया जायेगा। साथ ही इसकी जनपद मुख्यालय के निकट स्थित संकुल के व्यावसायिक फोटोग्राफर से MME मद से इसकी **2** मिनट की edited वीडियो बनाई जाए एवं सुन्दर फोटोग्राफ, जिसमें बच्चे गतिविधि आयोजित करते हुए दिखाई दे रहे हों, भी प्रेषित किये जाए। फोटो (Hard Copy) भी डाक से प्रेषित की जाए ताकि इसे शगुन पोर्टल पर अपलोड किया जा सकें।

संख्या– 181549 /XXIV–B–1 /24/31(01)/2020

निदेशालय अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
ह० 1216
दि० 18/01/24
उत्तराखण्ड देहरादून

प्रेषक,

रंजना राजगुरू,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग–01 — देहरादूनः दिनांकः 11 जनवरी, 2024

विषयः प्रदेश के उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बस्ता रहित दिवसों के संचालन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण के पत्रांक SCERT/NEP/Bagless day/6118–19/2023–24, दिनांक 09.10.2023 द्वारा प्रदेश के उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बस्ता रहित दिवसों के संचालन के सम्बन्ध में उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अध्याय–4 'स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्र'' के अनुच्छेद 4.26 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कियान्वयन दस्तावेज सार्थक के टास्क संख्या–92 में की गई अनुशंसा के कम में प्रदेश के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रतिवर्ष 10 बस्ता रहित दिवसों के संचालन की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नलिखित दिशा–निर्देश पारित करते हैं:–

1. बस्ता रहित दिवसों के उद्देश्य–
   - बस्ते के बोझ को कम करना।
   - गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में निहित प्रतिभाओं का समुचित विकास करना।
   - छात्रों में स्थानीय व्यवसायों तथा हस्तशिल्प का कौशल विकसित करना।
   - छात्रों में श्रम के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना।
2. कक्षा 06 से 12 के सभी छात्र 10 बस्ता रहित दिवसों में प्रतिभाग करेंगे, जिसमें वे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों जैसे कृषक, बुनकर, कुम्हार, स्थानीय कलाकार आदि से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसी प्रकार सभी छात्रों को अवकाश दिवसों में विभिन्न व्यावसायिक विषयों को सीखने के अवसर उपलब्ध करावाये जा सकते हैं।

Generated from eOffice by KAPIL GAUR, RO-SECONDARY EDU-1-KG, REVIEW OFFICER, Secondary Education Department on 11/01/2024 04:36 PM

24

3. सम्पूर्ण वर्ष में ऐसे बस्ता रहित दिवसों में विभिन्न प्रकार की संवर्द्धन गतिविधियों जैसे कला, प्रश्नोत्तरी, खेल और व्यावसायिक हस्तशिल्प आदि को प्रोत्साहित किया जायेगा। विद्यालय से बाहर की गतिविधियों से परिचित कराने के लिए छात्रों को समय–समय पर अपने गांव/तहसील/जिला/राज्य के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटक महत्व के स्थान/स्मारकों का भ्रमण, स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों से साक्षात्कार तथा उच्च शिक्षण संस्थानों का भ्रमण करवाया जायेगा।

4. बस्ता रहित दिवसों हेतु सुझावात्मक गतिविधियां–

कार्य के प्रकार	उच्च प्राथमिक	माध्यमिक
जैविक रूप (Life Forms)	मृदा प्रबंधन और मिट्टी के प्रारम्भिक कार्य। कृषि/बागवानी की विभिन्न पद्धतियां।	प्रकृति अनुकूल कृषि। प्रकृति संरक्षण/पुनर्स्थापना। नर्सरी प्रबंन्धन। पुशधन पालन। वित्तीय सेवाएं। सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल। उद्योग।
मशीन और सामग्री (Material & Materials)	कागज, लकड़ी, मिट्टी, कपड़ा, पेंट, स्याही जैसी सामग्रियों का उपयोग करके हस्तशिल्प कार्य। आधुनिक मशीनों सहित प्रारम्भिक मशीनों का उपयोग करना।	सिलाई। बढ़ईगिरी। वेल्डिंग और कास्टिंग। मिट्टी के बर्तन। स्थानीय कला। रोबोटिक मशीनिंग। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मरम्मत।
मानवीय सेवाएं (Human Services)	कुशल संवाद की अभिरूचि और टीमों में काम करने की योग्यता। स्वास्थ्य देखभाल और आतिथ्य के आधार। बुनियादी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी कौशल।	स्वास्थ्य देखभाल। बिजली का काम। परिवहन सेवाएं। विक्रय और विपणन। आतिथ्य और पर्यटन। इण्टरमीडिएट सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी कौशल।

enerated from eOffice by KAPIL GAUR, RO-SECONDARY EDU-1-KG, REVIEW OFFICER, Secondary Education Department on 11/01/2024 04:36 PM

2— राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 एवं नीति के कियान्वयन हेतु निर्गत दिशा—निर्देश 'SARTHAQ' के क्रम में प्रदेश के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रतिवर्ष 10 बस्ता रहित दिवसों के संचालन के सम्बन्ध में उक्त दिशा—निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

प्रश्नगत योजना के सम्बन्ध में यथावश्यकतानुसार दिशा—निर्देश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

भवदीय,

Signed by Ranjana Rajguru
Date: 11-01-2024 14:25:21

(रंजना राजगुरू)
अपर सचिव

संख्या— 181549/XXIV—B—1/24—31(01)/2020 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव—मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव—मा0 मंत्री, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव—मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. अपर निदेशक, कुमांऊ/गढ़वाल मण्डल।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
Signed by Anil Kumar Pandey
Date: 11-01-2024 16:01:17

(अनिल कुमार पाण्डे)
उप सचिव

enerated from eOffice by KAPIL GAUR, RO-SECONDARY EDU-1-KG, REVIEW OFFICER, Secondary Education Department on 11/01/2024 04:36 PM